



सत्यमेव जयते

झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

23 ज्येष्ठ, 1945 (श०)

संख्या - 352 राँची, मंगलवार,

13 जून, 2023 (ई०)

पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग

अधिसूचना

8 जून, 2023

संख्या - 01/खेल-12-02/23 10--

ग्रामीण तथा स्वदेशी जनजातीय खेल प्रतियोगिता" के आयोजन से संबंधित मार्गदर्शिका

झारखण्ड राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों में जनजातीय लोगों द्वारा कई स्वदेशी एवं पारम्परिक खेल खेले जाते हैं, जो काफी लोकप्रिय एवं फिटनेस के दृष्टिकोण से बहुत लाभप्रद होते हैं परन्तु इन खेलों के आयोजन हेतु कोई व्यवस्थित ढाँचा नहीं होने के कारण इन्हें राज्य एवं देश के स्तर पर पहचान नहीं मिल पाता है। वर्तमान में भारत सरकार द्वारा खेलो इण्डिया गेम्स के अन्तर्गत अलग-अलग राज्यों में खेले जाने वाले ग्रामीण स्वदेशी खेलों को शामिल किया जा रहा है, जैसे - थांगटा, मलखंभ, कलारीपट्टु आदि। झारखण्ड खेल नीति - 2022 की कण्डिका - 5.3 में राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में परम्परागत रूप से खेले जाने वाले खेलों को बढ़ावा देने हेतु इनका आयोजन विभिन्न स्तरों पर किये जाने का वर्णन है ताकि इससे राष्ट्रीय एवं वैश्विक पटल पर देशज और पारम्परिक खेलों का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके। इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में

रखते हुए पर्यटन कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग, झारखण्ड सरकार अन्तर्गत खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय द्वारा "ग्रामीण तथा स्वदेशी जनजातीय खेल प्रतियोगिता" का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है, जिससे सम्बन्धित मार्गदर्शिका निम्नवत् है:-

1. प्रतियोगिता का नाम:-

- प्रतियोगिता का नाम "ग्रामीण तथा स्वदेशी जनजातीय खेल प्रतियोगिता" होगा।

2. उद्देश्य:-

- i. राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में परम्परागत रूप से खेले जाने वाले खेलों को बढ़ावा देना।
- ii. राष्ट्रीय एवं वैश्विक पटल पर देशज और पारम्परिक खेलों का व्यापक प्रचार-प्रसार।
- iii. राज्य में खेल संस्कृति विकसित करना।

इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पर्यटन कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग, झारखण्ड सरकार अन्तर्गत खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय द्वारा "ग्रामीण तथा स्वदेशी जनजातीय खेल प्रतियोगिता" का आयोजन किया जा रहा है।

3. शामिल खेल:-

प्रथम चरण में इस खेल प्रतियोगिता अन्तर्गत 06 (छः) खेलों को शामिल किया जाएगा, जो निम्नवत् हैं

- i. तीरंदाजी (व्यक्तिगत खेल स्पर्धा) - झारखंड के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों में प्रचलित खेल विधा है। इसमें बांस का धनुष एवं लोहे के फल वाले बाण का उपयोग होता है। (व्यक्तिगत खेल स्पर्धा)
- ii. गुलेल (व्यक्तिगत खेल स्पर्धा) - इस द्विभागी लकड़ी के टुकड़े को काटकर ट्यूब रबर द्वारा तैयार किया जाता है। इससे गोली/कंचे के द्वारा लक्ष्य साधा जाता है।
- iii. मटका दौड़ (व्यक्तिगत खेल स्पर्धा) - मटका सिर पर रखकर पानी एवं दूध ले जाना एवं जनजातियों की स्वभाविक गतिविधि में शामिल है।
- iv. गेड़ी दौड़ (व्यक्तिगत खेल स्पर्धा) - बरसात में गांवों के कीचड़ भरे रास्ते से निकलने के उद्देश्य से बांस की गेड़ी बनाकर उसका प्रयोग किया जाता था। कालान्तर में हरेली (हरियाली) त्यौहार के समय गेड़ी चढ़ने की परम्परा शुरू हुई।
- v. भारा दौड़ (व्यक्तिगत खेल स्पर्धा) - धान की फसल कटने के पश्चात कावर के दोनों तरफ धान का गठठा खेत से घर पहुँचाने के दौरान युवा वर्ग आपस में जल्दी पहुँचने का खेल करते हैं। खेल-खेल में उक्त महत्वपूर्ण कार्य आनंद के साथ सम्पन्न हो जाता है।
- vi. सेकोर (टीम स्पर्धा) - सेकोर खेल झारखण्ड के कोल्हान क्षेत्र के "हो" जनजातियों का एक पारम्परिक खेल है। यह खेल पारम्परिक रूप से ग्रीष्म ऋतु (माह अप्रैल से जून) में खेला जाता है। ऐसी मान्यता है कि सेकोर खेल से बारिश के देवता प्रसन्न होते हैं एवं इससे बारिश होती है।

नोट:- भविष्य में अन्य स्वदेशी ग्रामीण खेलों के नियम आदि सुनिश्चित होने पर उन्हें भी इस प्रतियोगिता में शामिल किया जाएगा।

4. खेलों के नियम:-

i. तीरंदाजी -

- 14 वर्ष से 40 वर्ष तक के आयु वर्ग हेतु 20 मीटर की दूरी से टारगेट (लक्ष्य) पर निशाना लगाना है।
- प्रत्येक दूरी से 3-3 बाण (एरो) चलाये जायेंगे।

ii. गुलेल -

- 10 मीटर की दूरी पर लक्ष्य रखकर प्रत्येक प्रतिभागी को निशाना लगाने हेतु 5 अवसर प्रदान किये जायेंगे।
- प्रत्येक बार लक्ष्य साधने (निशाना लगाने) पर 1 अंक दिया जायेगा।
- प्रथम व द्वितीय स्थान हेतु कुल स्कोर का योग समान/टाई होने पर प्रतिभागियों की पुनः प्रतिस्पर्धा आयोजित कर 5-5 अवसर देकर विजेता की घोषणा की जायेगी।
- प्रतिभागियों को गुलेल स्वयं लाना होगा। गोली/कंचे आयोजन समिति द्वारा प्रदान की जायेगी।

iii. मटका दौड़ -

- 30 मीटर की दौड़ सर पर मटका रखकर लगाई जायेगी।
- सिर पर रखे हुए कपड़े का व्यास 6 इंच से अधिक न हो।
- मटके को हाथ लगाने पर अथवा मटका फिनिश लाईन पूरी करने के पहले गिरने पर प्रतिभागी अयोग्य घोषित किया जायेगा।

iv. गेड़ी दौड़ -

- गेड़ी दौड़ 50 मीटर दूरी तक आयोजित की जायेगी।
- गेड़ी के पायदान (Foot Rest) की ऊँचाई 02 फीट होगी।
- गेड़ी दौड़ के दौरान शरीर का कोई भी भाग जमीन के सम्पर्क में नहीं आना चाहिए।
- यथा संभव गेड़ी स्वयं लाना होगा।

v. भारा दौड़ -

- प्रतियोगिता हेतु (वयस्क वर्ग को छोड़कर) कावर के दोनो तरफ समान भार (रेत/धान आदि की बोरी) लगभग 5-5 किलो लगाना होगा। इसे अम्पायर द्वारा तय किया जायेगा।
- वयस्क वर्ग के प्रतिभागियों हेतु लगभग 10-10 किलो लगाना होगा। इसे अम्पायर द्वारा तय किया जायेगा।
- यह प्रतियोगिता 50 मीटर की होगी।
- पहले पहुँचने के आधार पर विजेता घोषित किया जायेगा।

vi. सेकोर -

- सेकोर खेल दो टीमों के बीच खेला जाता है। प्रत्येक टीम में 7 (सात) खिलाड़ी होते हैं।
- यह खेल कम-से-कम 60 मिनट का होता है।
- सेकोर मुख्यतः दो प्रकार की होती है - एक लकड़ी की दूसरी गोल पत्थर की, परन्तु ज्यादातर वर्तमान समय में लकड़ी से बने सेकोर से ही यह खेल खेला जाती है।
- सेकोर किसी भी लकड़ी से बनाई जा सकती है, परन्तु पारम्परिक रूप से बारिश लाने के लिए शाल की लकड़ी से बनी हुई सेकोर से ही खेला जाता है।
- सेकोर को सूती कपड़े से बनी हुई रस्सी से घुमाकर फेंका जाता है।
- इस खेल में प्रत्येक टीम के खिलाड़ियों को विरोधी टीम के सेकोर को मार कर प्ले फील्ड से बाहर करना होता है। एक सेकोर को मार कर घेरे से निकालने पर 5 (पाँच) अंक मिलता है। निर्धारित समयावधि के अन्त में अधिक अंक प्राप्त करने वाली टीम विजेता घोषित होती है।

5. प्रतियोगिता का आयोजन का स्तर:-

यह प्रतियोगिता जिला स्तर पर आयोजित की जाएगी। तदोपरान्त जिला स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी प्रमण्डल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

6. आयोजन से संबंधित दिशा-निर्देश:-

जिला स्तर पर -

1. जिला स्तरीय Rural (ग्रामीण) तथा Tribal Indigenous (स्वदेशी जनजाति खेल) का आयोजन संबंधित जिला के अन्तर्गत मुख्यालय खेल मैदान में आयोजित की जायेगी। इस प्रतियोगिता में विशेष रूप से कमजोर आदिम जनजाति तथा अनुसूचित जनजाति के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग लेंगे।
2. जिला स्तरीय Rural (ग्रामीण) तथा Tribal Indigenous (स्वदेशी जनजाति खेल) के प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को झारखंड राज्य का निवासी होना आवश्यक है।
3. प्रतियोगिता के भाग लेने वाले खिलाड़ियों की आयु सीमा 14 वर्ष से 40 वर्ष के बीच होना चाहिए।
4. प्रत्येक स्पर्धा में अपने संस्था/विधालय/महाविधालय/पंचायत/प्रखंड से 02-02 खिलाड़ी एक कोच एवं एक मैनेजर भाग लेंगे।
5. जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को प्रतियोगिता स्थल पर आने-जाने का मार्ग व्यय स्वयं या संबंधित संस्था के द्वारा वहन किया जायेगा।
6. जिला स्तर के जो भी खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे उनका पूरा विवरण यथा-नाम, पिता का नाम, गाँव का नाम, आधार संख्या अंकित करना अनिवार्य होगा।
7. जिला स्तरीय प्रतियोगिता से प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

8. जिला स्तर प्रतियोगिता के आयोजन से संबंधित विवरणी निम्नवत् होगी
 - i. जिला स्तर पर होने वाले कुल 05 व्यक्तिगत स्पर्धा के लिए प्रति स्पर्धा 02 बालक एवं 02 बालिका अपने संस्था/विधालय/महाविद्यालय/पंचायत/ प्रखंड से भाग लेंगे। सेकोर खेल में प्रत्येक प्रखण्ड से 01 बालक टीम एवं 01 बालिका टीम भाग लेगी, जिसमें एक टीम में 07 खिलाड़ी होंगे।
 - ii. स्थानीय तकनीकी पदाधिकारियों की संख्या -10
 - iii. प्रतियोगिता की अवधि - 01 दिन
 - iv. खिलाड़ियों हेतु Refreshment अल्पाहार-नींबू, ग्लूकोज, पानी, बीब नम्बर इत्यादि।
 - v. खेल उपकरण - फ्लैग, विसिल, चूना आदि।
 - vi. तकनीकी पदाधिकारी का मानदेय - ₹ 500/- प्रतिदिन।
 - vii. अन्यान्य खर्च - रेफरी का मानदेय (फ्लैक्स, पानी, बाल्टी, मग, ग्लास आदि)।

प्रमण्डल स्तर पर -

1. प्रमंडल स्तरीय Rural (ग्रामीण) तथा Tribal Indigenous (स्वदेशी जनजाति खेल) का आयोजन संबंधित प्रमंडल के अन्तर्गत मुख्यालय खेल मैदान में आयोजित की जायेगी।
2. प्रमंडल स्तरीय Rural (ग्रामीण) तथा Tribal Indigenous (स्वदेशी जनजाति खेल) के प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को झारखंड राज्य का निवासी होना आवश्यक है।
3. प्रतियोगिता के भाग लेने वाले खिलाड़ियों की आयु सीमा 14 वर्ष से 40 वर्ष के बीच होना चाहिए।
4. प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को प्रतियोगिता स्थल पर आने-जाने का मार्ग व्यय/भोजनादि/आवासन से संबंधित आयोजक जिला खेल पदाधिकारी के द्वारा वहन किया जायेगा।
5. प्रमंडल स्तर के जो भी खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेगे उनका पूरा विवरण यथा-नाम, पिता का नाम, गाँव का नाम, आधार संख्या अंकित करना अनिवार्य होगा।
6. जिला स्तरीय खुली चयन प्रतियोगिता से प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगे।
7. प्रमंडल स्तर प्रतियोगिता के आयोजन से संबंधित विवरणी निम्नवत् होगी
 - i. प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता में:- प्रत्येक जिला से 05 व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा में बालक - 02 एवं बालिका - 02 कुल - $10+10+4=24$ तथा टीम स्पर्धा में 01 बालक वर्ग की टीम एवं 01 बालिका वर्ग की टीम भाग लेगी।
 - ii. स्थानीय तकनीकी पदाधिकारियों की संख्या - 10
 - iii. प्रमंडल स्तर प्रतियोगिता की अवधि - 02 दिन
 - iv. प्रमंडल स्तर पर विजयी खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र, मेडल, ट्रॉफी आदि प्रदान किया जायेगा।

7. संभावित व्यय राशि:-

जिला स्तर पर - जिला स्तर पर उक्त प्रतियोगिता के आयोजनार्थ प्रति जिला रू० 1,00,000/- (एक लाख रुपये) की राशि का आवंटन संबंधित जिले के उपायुक्त/जिला खेल पदाधिकारी को उपलब्ध करायी जाएगी। तत्संबंधी संभावित व्यय की गणना परिशिष्ट - I पर संलग्न है।

प्रमण्डल स्तर पर - प्रमण्डल स्तर पर उक्त प्रतियोगिता के आयोजनार्थ प्रति प्रमण्डल अधिकतम रू० 5,00,000/- (पाँच लाख रुपये) की राशि का आवंटन संबंधित प्रमण्डल स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजनकर्त्ता जिले के उपायुक्त/जिला खेल पदाधिकारी को उपलब्ध करायी जाएगी।

8. इस प्रतियोगिता के आयोजन पर होने वाला व्यय राज्य योजना बजट "मुख्य शीर्ष - 2204 - खेलकूद तथा युवा सेवाएँ - उप शीर्ष - 57 - आदिवासी एवं ग्रामीण स्तरीय खेल विकास-07-अन्य व्यय-61-क्रीड़ा प्रोत्साहन" मद से विकलनीय होगा।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

मनोज कुमार,
सरकार के सचिव।

जिला स्तरीय Rural (ग्रामीण) तथा Tribal Indigenous (स्वदेशी जनजाति खेल) जिला स्तरीय प्रतियोगिता में व्यय होने वाली सम्भावित राशि-

क्र०	जिला का नाम	तकनीकी पदा० की सं०	प्रतियोगिता की अवधि (01 दिन)	नाशता पर व्यय	तकनीकी पदा० का मानदेय (500रु० प्रतिदिन प्रति पदा०)	मैदान व्यवस्था (पी०ए० सिस्टम, टेन्ट, फ्लैक्स एवं अन्य)	आकस्मिक व्यय	कुल संभावित राशि
1	राँची	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
2	सिमडेगा	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
3	गुमला	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
4	लोहरदगा	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
5	खूँटी	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
6	हजारीबाग	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
7	धनबाद	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
8	गिरिडीह	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
9	बोकारो	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
10	रामगढ़	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
11	चतरा	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
12	कोडरमा	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
13	पलामू	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
14	गढ़वा	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
15	लातेहार	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
16	डुमका	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
17	देवघर	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
18	पाकुड़	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
19	जामताड़ा	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000

20	गोड्डा	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
21	साहेबगंज	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
22	पश्चिमी सिंहभूम	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
23	पूर्वी सिंहभूम	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
24	सरायकेला- खरसावाँ	10	01 दिन	50000	5000	40000	5000	100000
कुल राशि								2400000
